

प्रसाषारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- ज ग्ड 3--- उपलण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

¥ro 50] No. 50l नई बिल्लो, शुक्रवार, फरवरी 13, 1970/माघ 24, 1891 NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 13, 1970/MAGHA 24, 1891

दस भाग में भिन्न पूष्ट संस्था दी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप म रखा जा तके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ÓRDER

New Delhi, the 13th February 1970

S.O. 616.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 620/18A/IDRA/69, dated the 14th February, 1969, the management of the industrial undertaking known as the New Maneckchock Spinning and Weaving Co. Ltd., Ahmedabad, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order mentioned above for a period upto and inclusive of 13th February, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and inclusive of 23rd March, 1970;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 23rd March, 1970.

[No. F. 9(15)/69-Tex(G.]

DEVINDAR NATH, Jt. Secy.

षिवेशी व्यापार मंत्राालय

ग्र।वेश

नई दिल्ली, 13 फरबरी, 1970

का० ग्रा० 616:—यतः भारत मरकार के ग्रौद्योगिक विकास, ग्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) के ग्रादेण मं० का० ग्रा० 620/18 ए/ग्राई० डी० ग्रार० ए०/69 दिनांक 14 फरवरी, 1969 द्वारा न्यू मानक चौक स्पिनिग एण्ड वीविंग कं० लि०, ग्रहमदाबाद नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरोक्त ग्रादेण में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 13 फरवरी, 1970 तक के लिए, जिसमें यह नारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था ;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंतक ढारा उक्त श्रीकोणिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण 23 मार्च, 1970, तक जिसमें यह तारीख भी शामिल है, की श्रविध के लिए बना रहना चाहिये ।

श्रतः, श्रब, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18ए की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, एत द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रादेश का प्रभाव 23 मार्च, 1970 तक, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, की श्रवधि के लिये श्रोर बना रहेगा।

[सं० फा० 9(115)/69—दैक्स (जी)] देथेन्द्र नाथ, संयुक्त सचिव ।